

उत्तराखण्ड में चालान सहति परविहन वभिग की छह सेवाएँ हुई ऑनलाइन

चर्चा में क्यों?

11 नवंबर, 2022 को उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सहि धामी ने राज्य में चालान के प्रशमन शुल्क सहति परविहन वभिग की छह सेवाएँ ऑनलाइन तथा परविहन नगिम के ही तीन मोबाइल ऐप लॉन्च करके इन सेवाओं का शुभारंभ किया।

प्रमुख बदि

- राज्य में परविहन वभिग की ऑनलाइन हुई सेवाएँ हैं -
 - **ऑनलाइन टैक्स भुगतान** : स्टेज कैरजि वाहनों के टैक्स पहले कार्यालय में जमा होते थे, लेकिन अब परविहन वेबसाइट के माध्यम से कहीं से भी ऑनलाइन टैक्स जमा करा सकेंगे।
 - **चालान प्रशमन शुल्क** : अभी तक चालान की फीस दफ्तरों में जमा होती थी, लेकिन अब परविहन वभिग की ई-चालान वेबसाइट के माध्यम से सीधे ऑनलाइन जमा करा सकेंगे।
 - **अस्थायी परमटि ऑनलाइन** : परविहन वभिग के अस्थायी परमटि लेने के लिये अभी तक आरटीओ दफ्तर जाना पड़ता था, लेकिन अब ऑनलाइन आवेदन व शुल्क भुगतान होगा। ऑनलाइन स्कूटनी, अनुमोदन व परमटि डाउनलोड कर सकेंगे।
 - **ऑनलाइन कॉन्ट्रेक्ट कैरजि परमटि** : संभागीय परविहन प्राधिकरण की ओर से अब कॉन्ट्रेक्ट कैरजि परमटि का आवेदन ऑनलाइन कर सकेंगे और शुल्क भी ऑनलाइन जमा करा सकेंगे। यह परमटि भी ऑनलाइन ही मलेंगे।
 - **वाहनों के पंजीकरण** : अभी तक नजि वाहनों का पंजीकरण डीलर पॉइंट पर डाटा एंट्री, डॉक्यूमेंट अपलोड करने के बाद ऑनलाइन फीस व टैक्स जमा होता था। इसके बाद डीलर को पूरे कागज़ लेकर आरटीओ दफ्तर जाना पड़ता था। पत्रावलियों आरटीओ दफ्तरों में रखनी होती थी, लेकिन अब पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। दफ्तरों में कागज़ों के ढेर से आज़ादी मलेंगी।
 - **ट्रेड सर्टिफिकेट** : व्यवसाय प्रमाण-पत्र बनवाने के लिये अब दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। यह पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। ऑनलाइन ही सर्टिफिकेट जारी हो जाएगा।
- परविहन नगिम ने ड्राइवरों के लिये हमसफर ऐप लॉन्च किया है। इस ऐप को ड्राइवर के सामने मोबाइल फोन में इंस्टॉल किया जाएगा। यह ऐप ड्राइवर की हर हरकत पर नज़र रखेगा तथा नींद आने पर ड्राइवर को अलर्ट करेगा। इसमें सुरक्षति बस संचालन पर रविरड मलेंगे।
- इसके अलावा अटेंडेंस ऐप लॉन्च किया गया है। इसमें जियो फेंसिंग क्षेत्र में आने पर परविहन नगिम के कर्मचारी अपने मोबाइल से ही अपनी हाजिरी लगा सकेंगे।
- इसके अलावा नगिम ने फ्लीट मैनेजमेंट सिस्टम लॉन्च किया है। इसके तहत बसों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। हर बस की लोकेशन देखने को व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस लगाई जाएगी तथा बिना टिकट यात्रा करने वालों को सीसीटीवी की मदद से पकड़ा जा सकेगा। सभी बसों में फ्यूल सेंसर लगाए जाएंगे और केंद्रीय कंट्रोल रूम से सभी बसों की पूरी नगिरानी की जा सकेगी।